



नदी द्वारा नरिमति स्थलाकृतथिँ



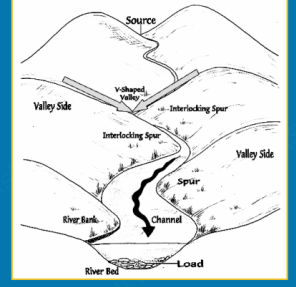
नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ

नदी अपनी विभिन्न अवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ निर्मित करती है-ऊपरी भाग की भू-आकृतियाँ, मध्यभाग की भू-आकृतियाँ, निचले भाग की भू-आकृतियाँ

नदी का ऊपरी भाग (युवावस्था)

- नदी के उद्गम से आरंभ (आमतौर पर एक पर्वत शृंखला)
- तेज प्रवाह तीव्र ढाल के कारण
- नदी की मुख्य क्रिया ऊर्ध्वाधर क्षरण
- स्थलाकृतियाँ -
 - » V-आकार की घाटियाँ (ऊर्ध्वाधर संक्षारण के कारण निर्मित)
 - लाओ घाटी, हवाई
 - » इंटरलॉकिंग स्पर/तल
 - पहलगाम, कश्मीर के ऊपर पश्चिम लिदार घाटी

- » गॉर्ज (जहाँ चट्टानें बहुत कठोर और प्रतिरोधी होती हैं)
- सिंधु गॉर्ज, कश्मीर
- » कैनिन (जहाँ वर्षा बहुत कम होती है)
- ब्रायस कैनिन, USA
- » क्षिप्रिकाएँ और जल प्रपात
- लावा जल प्रपात क्षिप्रिका, USA और निवाग्रा जलप्रपात, कनाडा

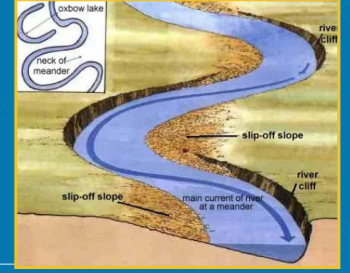


संक्षारण (या अपघर्षण) जल, वायु, या हिम द्वारा ले जाए गए चट्टान के टुकड़ों द्वारा किसी चट्टान की सतह का क्षरण है।

नदी का मध्य भाग (प्रौढ़ावस्था)

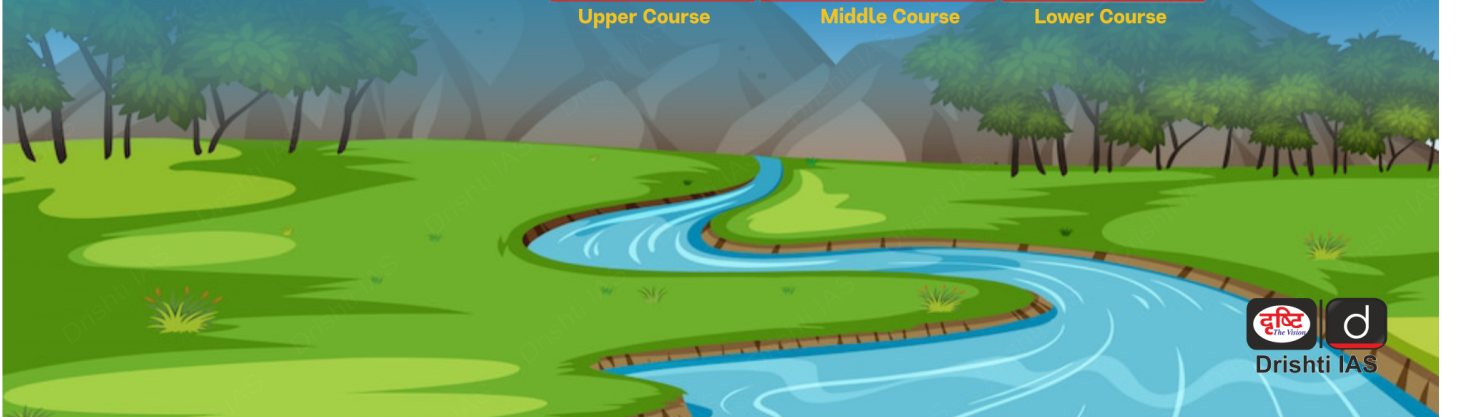
- ऊर्ध्वाधर संक्षारण की जगह पार्श्व संक्षारण से भू-आकृतियों का निर्माण
- सहायक नदियों का संगम → जल का अधिक आयतन → नदी की सर्वाधिक जल भार अवस्था
- परिवहन इस अवस्था की मुख्य घटना
- घाटियों के दोनों किनारों पर इंटरलॉकिंग स्पर का निर्माण

- भू-आकृतियाँ -
 - » नदी विसर्प
 - ओवेन्स नदी, SE कैलिफोर्निया, USA
 - » नदी कगार और स्कंध ढाल
 - सफेद कगार, डोवर, ब्रिटेन की



नदी का निचला भाग (वृद्धावस्था)

- इस अवस्था में नदी ऊपरी भागों से नीचे लाई गई सामग्री के कारण भारी हो जाती है
- इस अवस्था में ऊर्ध्वाधर संक्षारण बिल्कुल नगण्य, पार्श्व संक्षारण अभी भी सक्रिय
- नदी के तल और व्यापक बाढ़ मैदानों के निर्माण में निक्षेपण की महत्वपूर्ण भूमिका
- जल की अधिक मात्रा; महीन सामग्री (बालू, कंकण आदि) को नदी के मुहाने तक ले जाती है
- भू-आकृतियाँ -
 - » बाढ़ के मैदान और तटबंध
 - गंगा-यमुना बाढ़ का मैदान
 - » डेल्टा
 - सुंदरबन डेल्टा



और पढ़ें..